इकाई	पाठ्यक्रम/विषय वस्तु	उद्देश्य	संसाधन/क्रियाशीलन
8. कृषि और खेतिहर समाज	• विभिन्न प्रकार की खेतियों का इतिहास • ग्रामीण अर्थव्यवस्था में इसकी जरूरत • वर्तमान समय में ग्रामीण अर्थव्यवस्था में परिवर्तन संदर्भ बिहार—केला, गेंड़े, लीची USA—गेहूँ, कपास	• छात्रों में कृषि के प्रति लगाव और सम्मान का भाव पैदा करना • कृषि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम हो सकता है • कृषि में वैज्ञानिक दृष्टिकोण कृषकों के लिए लाभदायक होता है।	• चित्र/वीडियो/वार्तालाप क्षेत्र भ्रमण
9. शांति प्रयास	**राष्ट्र संघ** • राष्ट्रसंघ का प्रयास • राष्ट्रसंघ की विफलता • संयुक्त राष्ट्रसंघ • उद्देश्य, सफलता	• शांति स्थापना के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है • शांति में विकास निहित होता है • परस्पर विश्वास और सांस्कृतिक आदान-प्रदान शांतिप्रयासों को मजबूती प्रदान करते हैं।	• विडियो क्लिप/फिल्में/ चित्र वाद-विवाद/ मानचित्र अध्ययन/ अखबारों-पत्रिकाओं में छपे बयान

इकाई—II भारत भूमि एवं लोग

इकाई	Key Concept (मूल अवधारणा)	उद्देश्य/Learning Outcome	Activity/Resource (गतिविधि/संसाधन)
—स्थिति एवं विस्तार	• विश्व मानचित्र पर भारत की स्थिति • भारत का भौगोलिक विस्तार • भारत के पड़ोसी देश	• विश्व में भारत की भौगोलिक स्थिति, उसका विस्तार एवं पड़ोसी देशों की जानकारी देना।	• मानचित्र • पड़ोसी देशों से संबंधित समसामयिक घटनाक्रमों/ गतिविधियों का संकलन एवं रिकार्ड
—भौतिक स्वरूप	• उच्चावच, संरचना • भौतिक विभाग	• स्थलाकृतियों एवं उनके स्वरूप की समझ उत्पन्न करना।	• भारत का प्राकृतिक मानचित्र • भ्रमण, अवलोकन।
—अपवाह	• अपवाह तंत्र • नदियाँ, जलाशय • मानव सभ्यता की जीवन रेखा के रूप में नदियाँ • नदियों का संरक्षण एवं प्रदूषण के रोकथाम के उपाए • मानव जीवन पर प्रभाव	• नदियों के दिशागत बहाव की समझ एवं मानव जीवन में नदियों की उपयोगिता उनके संरक्षण, उचित दोहन प्रदूषण के स्रोत की समझ विकसित करना।	• अवलोकन, चित्र, मॉडल, धार्मिक पर्व त्योहारों में नदी की उपयोगिता, समाचार पत्र, पत्रिकाओं की कतरनों का संकलन

इकाई	Key Concept (मूल अवधारणा)	उद्देश्य/Learning Outcome	Activity/Resource (गतिविधि/संसाधन)
—जलवायु	• भारतीय जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक • मौनसून एवं उसका स्वभाव • वर्षा—प्रकार, वर्षा जल संग्रहण एवं पुनर्चक्रण • ऋतुएँ • मानव जीवन पर इनका समेकित प्रभाव	• भारतीय जन जीवन को प्रभावित करने वाले भौगोलिक तत्त्वों की समझ एवं उनसे समन्वय विकसित करने की अवधारणा।	• अवलोकन, अनुभवों का आदान-प्रदान, विभिन्न क्षत्रों में रहनेवाले परिचितों से पत्राचार
—प्राकृतिक वनस्पति एवं वन्य प्राणी	• वनस्पतियों के प्रकार, महत्त्व, वितरण • वनों में निवास करने वाले जीव-जंतुओं की उपयोगिता, महत्त्व। • वनस्पति एवं जीवजंतुओं का संरक्षण।	• वनस्पतियों, जीवजंतुओं की विविधताओं एवं महत्व से परिचित, होना तथा उनके संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करना।	• चित्रों का संकलन, अनुभव, साक्षात्कार, भ्रमण, वृतचित्र • मानचित्र बनाकर विभिन्न प्रकार के वनस्पति क्षेत्र को दर्शाना। • विलुप्त होती वनस्पति एवं वन्य प्राणियों से संबंधित चित्र एवं सूचनाओं का संकलन कर उसके संरक्षण का प्रयास • परिवेश में मिलनेवाले वनस्पति एवं जीवों से संबंधित सूचनाएँ एकत्र करना
—जनसंख्या, जनसंख्या का आकार	• घनत्व, वितरण, जनसंख्या परिवर्तन को निर्धारित एवं प्रभावित करने वाले कारक—प्रवजन, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधायें, व्यावसायिक संरचना, राष्ट्रीय जनसंख्या नीति। • जनसंख्या वृद्धि के दुष्प्रभाव।	• जनसंख्या को प्रभावित करनेवाले तत्त्वों की पहचान एवं उसके दुष्प्रभाव के प्रति सजग बनाना।	• क्षेत्र विशेष का भ्रमण जहाँ अधिक आवादी हो। • मानचित्र बनाकर जनसंख्या के घनत्व और वितरण को दर्शाना। • रोजगार कार्यालय से निबंधित व्यक्तियों की संख्या का पता करना तथा नियुक्ति के अवसरों से उसकी तुलना।

इकाई	Key Concept (मूल अवधारणा)	उद्देश्य/Learning Outcome	Activity/Resource (गतिविधि/संसाधन)
2. यूरोप महाद्वीप	• संक्षिप्त परिचय • स्थिति एवं विस्तार • जलवायु विशेषताएँ • उद्योग धंधे एवं खनिज • उद्योग धंधों का विश्व की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव	• यूरोप की भौगोलिक, औद्योगिक, वाणिज्यिक पहलुओं से अवगत कराना।	• मानचित्र, ग्लोब, एटलस चित्र
3. मानचित्र अध्ययन	• मापक—परिभाषा • उपयोगिता • मापक प्रदर्शन की विधियाँ • सरल तथा तुलनात्मक मापक	• मानचित्र अध्ययन की विभिन्न विधियों से अवगत कराना।	• स्केल, मानचित्र, मापक के प्रकार।
4. क्षेत्रीय अध्ययन	• भूमिगत जलस्तर में गिरावट: कारण एवं उपाय • भूमि: उपयोग के स्वरूप में परिवर्तन • प्रदूषण: प्रकार, कारण, बचाव	• क्षेत्रीय अध्ययन के प्रति जागरूकता पैदा करना	• प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण, निवासियों से साक्षात्कार

प्रोजेक्ट :—

- विलुप्त होने वाले वन्यप्राणियों/वनस्पतियों को चित्र, छाया चित्र द्वारा रिपोर्ट तैयार करें।
- अपने किसी गाँव/मुहल्ले का अवलोकन करने के पश्चात् वहाँ के जल स्तर की गिरावत, भूमि उपयोग और प्रदूषण की स्थिति पर रिपोर्ट तैयार करें।

चार्ट पेपर पर चित्र द्वारा जनसंख्या के कुप्रभावों को दर्शाएँ।

इकाई—III लोकतांत्रिक राजनीति–1

क्र.	प्रकरण (थीम)	उप प्रकरण (सब थीम)	उद्देश्य
1.	लोकतंत्र का क्रमिक विस्तार	भारत में लिच्छवी गणतंत्र से आधुनिक लोकतंत्र की यात्रा • लिच्छवी गणतंत्र • विश्व में आधुनिक लोकतंत्र • 1900 से 1950, 1950–1977 1977 से अद्यतन	विद्यार्थियों को लोकतंत्र की पहचान कराना और उसके विस्तार का एक खाका पेश करना।

क्र.	प्रकरण (थीम)	उप प्रकरण (सब थीम)	उद्देश्य
2.	लोकतंत्र क्या है? लोकतंत्र क्यों?	लोकतंत्र क्या है? • लोकतंत्र की विशेषताएँ लोकतंत्र क्यों? • लोकतंत्र के गुणों की चर्चा • लोकतंत्र के पक्ष एवं विपक्ष में तर्क • सर्वोत्तम शासन के रूप में लोकतंत्र • लोकतंत्र का व्यापक अर्थ	• लोकतंत्र को परिभाषित करने हेतु अवधारणात्मक कौशल को विकसित करना • किन ऐतिहासिक प्रक्रियाओं द्वारा लोकतंत्र विकसित हुआ और कैसे इसकी लोकप्रियता बढ़ी? • लोकतंत्र के विरूद्ध भ्रांतियों को समाप्त करना।
3.	भारत में लोकतंत्र का निर्माण	• भारत में लोकतंत्र की स्थापना कैसे हुई? • भारत में लोकतंत्र की स्थापना की जरूरत क्यों? • भातीय संविधान के निर्माण की प्रक्रिया • संविधान की मूलभूत विशेषताएँ • क्या भारत में प्रजातंत्र-निर्माण की प्रक्रिया जारी है? • **बिहार में लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी हैं?**	• भारत में लोकतांत्रिक राजनीति की समझ विकसित करना • संविधान निर्माण की प्रक्रिया से परिचय • संविधान एवं संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान भाव विकसित करना • संविधान एक जीवंत दस्तावेज और परिवर्तनीय भी है।
4.	लोकतंत्र में चुनावी राजनीति	• लोकतंत्र में चुनाव की जरूरत क्यों? • जनप्रतिनिधियों का चुनाव क्यों? • चुनावों में राजनीतिक प्रतिस्पर्द्धा का औचित्य • भारत में चुनाव प्रणाली : (क) निर्वाचन क्षेत्र (आरक्षित/अनारक्षित) (ख) मतदाता सूची (ग) चुनाव अभियान (घ) मतदान और मतगणना भारत में चुनाव क्यों लोकतांत्रिक है? (क) स्वतंत्र चुनाव आयोग (ख) स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की चुनौतियाँ	• प्रतिनिधियात्मक लोकतंत्र बनाम प्रतिस्पर्द्धी दलीय राजनीति के विश्लेषण को समझना। • भारतीय चुनाव प्रणाली से सुपरिचित चुनाव प्रणाली से सुपरिचित होना और इसे स्वीकार करने के आधार से परिचय • चुनावी राजनीति में जनता के बढ़ता रूझान से परिचय • चुनाव आयोग की अहमियत से परिचित कराना।

क्र.	प्रकरण (थीम)	उप प्रकरण (सब थीम)	उद्देश्य
5.	संसदीय लोकतंत्र की संस्थाएँ	संसदीय लोकतंत्र में निर्णय करनेवाली संस्थाएँ (क) संसद (विधायिका) (ख) राष्ट्रपति / प्रधानमंत्री / मंत्रिपरिषद् (कार्यपालिका) • तीनों संस्थाओं के अंतर्संबंध	• केन्द्र सरकार की संरचना से परिचित कराना • संसद की अहम् भूमिका से अवगत कराना • संसदीय कार्यप्रणाली से परिचय कराना • तीनों संस्थाओं के अंतर्संबंधों से अवगत कराना
6.	लोकतांत्रिक अधिकार	• संविधान में अधिकारों की अनिवार्यता क्यों? • अधिकार क्या है? लोकतंत्र में अधिकारों की क्या जरूरत है? • मौलिक अधिकार • अधिकारों का बढ़ता दायरा • मानवाधिकार	• अधिकारों के प्रति जागरूकता विकसित करना • मौलिक अधिकारों से परिचित कराना • मौलिक अधिकारों का उपभोग और वास्तविक जीवन में अधिकारों के हनन की संभावनाओं से अवगत कराना • मौलिक अधिकार के संरक्षक के रूप में न्यायपालिका की भूमिका बताना • राष्ट्रीय मानवाधिकार की भूमिका से अवगत कराना

इकाई—IV अर्थशास्त्र की समझ

इकाई	पाठ्यक्रम	उद्देश्य	क्रियाशीलन
I. बिहार के एक गांव की कहानी	गांव की कहानी के माध्यम से • गांव-कस्बा-शहर-राज्य-देश-विश्व सबके बीच उत्पादन की प्रक्रिया के द्वारा आपस के संबंध को जानना। • उत्पादन के साधनों—भूमि, श्रम, पूंजी और उद्यम के बारे में जानकारी का विकास करना	• मूर्त उदाहरण के द्वारा उत्पादन के सिद्धांत को जानना • भूमि, श्रम, पूंजी एवं उद्यम हरेक की उत्पादन की प्रक्रिया में महत्ता को समझना • उत्पादन कैसे गांव को विश्व से जोड़ता है।	• शिक्षार्थियों को अपने गांव में हो रहे उत्पादन की प्रक्रिया को कहानी के माध्यम से लिखवाना। • द्वीपक्षीय संवाद के माध्यम से बच्चों में समझ का विकास करना।
II. मानव—एक संसाधन	मानव एक संसाधन है—इसकी समझ। • बिहार की जनसंख्या और उसके अवयवों को जानना • जनसंख्या को मानव संसाधन में परिवर्तन हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य एवं मकान की उपयोगिता को जानना	• मानव संसाधन के विकास हेतु जनसंख्या, शिक्षा, स्वास्थ्य और मकान के अन्योनाश्रय संबंधों की जानकारी का विकास करना • मानव संसाधन के विकास में अपनी भूमिका को समझना	• टीचिंग लर्निंग मैटेरियल का विकास (जैसे चार्ट) • शिक्षार्थियों द्वारा अपने टोले/मुहल्ले का सर्वेक्षण कर उसके रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण
III. गरीबी	गरीबी की समझ और स्वरूप। सूचकांकों द्वारा गरीबी की माप। संवाद लेखन के द्वारा बिहार में गरीबी के आयाम, गरीबी के कारण एवं निदान को जानना, गरीबी रेखा क्या है, गरीबी उन्मूलन के सरकारी एवं गैर सरकारी प्रयास	• गरीब एवं गरीबी को समझना • गरीबी उन्मूलन में सरकारी प्रयासों की जानकारी प्राप्त करना • स्थानीय स्तर पर सरकारी एवं गैर सरकारी प्रयासों के परिणाम को समझना	• परिवेश से उदाहरण • द्विपक्षीय प्रश्नोत्तरी विधि • बच्चों को उपाय ढूंढने के लिए स्वलेखन
IV. बेकारी	लेख के माध्यम से— • बेकारी को जानना, • बेकारी कैसे जन्म लेती है। • बेकारी से कैसे मुक्ति प्राप्त की जा सकती है? • बेकारी के समाजिक और आर्थिक प्रभाव।	• बेकारी क्या है • जनसंख्या की बेकारी बढ़ाने में भूमिका • बेकारी कम करने के सरकारी एवं गैर सरकारी प्रयास की स्थानीय स्तर पर परिणाम को समझना	• व्याख्यान विधि • अपने टोले-मुहल्ले के युवाओं से बातचीत • वर्ग में बातचीत का प्रस्तुतीकरण।
V. कृषि, खाद्यान्न सुरक्षा एवं गुणवत्ता	• बिहार में कृषि • खाद्यान्न के प्रकार • खाद्यान्न के श्रोत • खाद्यान्न की गुणवत्ता • अकाल के दौरान खाद्यान्न में आत्मनिर्भरता • खाद्य सुरक्षा में सरकारी एवं गैर सरकारी योगदान।	• शिक्षार्थियों के बीच खाद्यान्न के प्रति जीवन के मूल्य एवं आवश्यकता की जानकारी विकसित करना। • खाद्यान्न की आपूर्ति में सरकारी पहल की समझ विकसित करना। • खाद्यान्न की गुणवत्ता का ज्ञान होना।	• भ्रमण क्रिया के द्वारा • सतत अभ्यास रीति • द्विपक्षीय प्रश्नोत्तरी विधि
VI. कृषक-मजदूरों की समस्याएँ	• बिहार में कृषक-मजदूरों की समस्याएँ, • बिहार में कृषक-मजदूरों के बीच समस्याओं के समाधान के तौर पर पलायन का इस्तेमाल • बिहार में कृषक-मजदूरों के हो रहे पलायन की वजह से समस्याएँ और उनके निदान के उपाय।	• आज हमारे यहाँ के बहुत से कृषि-मजदूर दिल्ली, कलकत्ता, पंजाब, मुंबई आदि की ओर क्यों पलायन कर रहे हैं इसकी विस्तृत व्याख्या करना और उसके कारणों की समझ विकसित करना।	• भिखारी ठाकुर एवं अन्य लोक गीतकारों के लोकगीतों के माध्यम से पलायन के उद्देश्य एवं उसके आर्थिक पहलुओं के प्रति शिक्षार्थियों के बीच समझ विकसित करना।

इकाई—V आपदा प्रबन्धन

1. मानवीय मूलों के कारण घटित आपदाएँ—आणविक (Nuclear)
   जैव (Biological)
   रासायनिक (Chemical)
2. सामान्य आपदाएँ (Common Hazards)—निवारण एवं नियंत्रण
3. समुदाय आधारित आपदा प्रन्धन

वर्ग X

समय—3 घंटे	अंक—100
इकाई—1 भारत एवं समकालीन विश्व—II	25
इकाई—2 भारत संसाधन एवं उनका दोहन	25
इकाई—3 प्रजातांत्रिक राजनीति—II	22
इकाई—4 अर्थशास्त्र की समझ	22
इकाई—5 आपदा प्रबन्धन	6

इकाई—I भारत एवं समकालीन विश्व–II

इकाई	विषय-वस्तु	लक्ष्य/उद्देश्य	प्रक्रिया/संसाधन
1. यूरोप में राष्ट्रवाद	• 1830 के बाद यूरोप में राष्ट्रवाद का विकास • मेजनी आदि के विचार • पोलैण्ड, हंगरी, इटली जर्मन, ग्रीस आदि के आन्दोलनों की सामान्य विशेषताएँ	• यूरोप में उभरते राष्ट्रीयता की भावना से परिचित कराना • इटली के एकीकरण में मेजनी, गैरीबाल्डी, कावूर का योगदान बताना • जर्मनी के एकीकरण में विलिएम, बिस्मार्क, बुद्धिजीवियों एवं शिक्षा संस्थानों का योगदान बताना • ग्रीस, पौलैण्ड, हंगरी में तत्कालीन अवस्था के प्रति राष्ट्रीयता के प्रभाव से उभरे विद्रोहों से परिचित कराना	• फिल्में, चित्र, विडियोक्लिप, मानचित्र अध्ययन
2. हिन्द-चीन में राष्ट्रवादी आंदोलन	• हिन्द-चीन में फ्रांसीसी उपनिवेशवाद • फ्रांसीसियों के विरूद्ध क्रमिक संघर्ष • फान-दिन, फांग-फांग बोइ चाउ, नागु एन एस क्यू • द्वितीय विश्वयुद्ध और मुक्ति संघर्ष • अमेरिका और द्वितीय विश्वयुद्ध	• उपनिवेशवाद का शिकार एशियाई देशों में हिन्द चीन (इंडोनेशिया) की तत्कालीन परिस्थितियों से अवगत कराना • इण्डोनेशिया के राष्ट्रवादी नेताओं के स्वतंत्रता हेतु किए गए प्रयासों से अवगत कराना • इण्डोनेशिया का फ्रांस के विरूद्ध मुक्ति संघर्ष • द्वितीय विश्वयुद्ध में उन परिस्थितियों की समझ जिनसे अमेरिका विश्वयुद्ध में शामिल हुआ	• चित्र, फिल्म, एशियाई भूगोल का मानचित्र

6. सामाजिक विज्ञान

1. प्रस्तावना :

राष्ट्र की उन्नति एवं निर्माण नागरिकों के ऊपर निर्भर है। नागरिकों का सोच साकारात्मक एवं समग्र, व्यवहार संतुलित एवं मर्यादित, चरित्र धवल, ज्ञान एवं सूचना-सम्पन्न, दृष्टि मानवीय और चेतना प्रखर हो तो राष्ट्र की उन्नति दिन-दूनी रात चौगुनी होती रहती है। जन्म से मृत्युपर्यन्त व्यक्ति परिवेश एवं समाज से अन्तःक्रिया करता रहता है। अतएव राष्ट्र के नागरिकों को समाज एवं परिवेश की विस्तृत जानकारी एवं समग्र-समझ अपरिहार्य है। इन्हीं तथ्यों के आधार पर समाज विज्ञान को माध्यमिक स्तर पर एक अनिवार्य विषय बनाया गया है; साथ ही, इस दृष्टि को सम्पोषित करने वाले विषयों को भी स्थान दिया गया है।

समाज विज्ञान के पाठ्यक्रम में मुख्य रूप से भूगोल, इतिहास, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र के प्रकरण सम्मिलित किये गये हैं; साथ ही, समाज-शास्त्र और वाणिज्य शास्त्र के भी कुछ प्रकरण सम्मिलित हैं। ये सभी साथ मिल कर दिक्काल की पृष्ठभूमि में समाज के समग्र दृष्टिकोण को प्रस्तुत करते है। साथ ही, हम जान पाते है कि ये सभी विषय समाज एवं राष्ट्र निर्माण में एक दूसरे से कैसे और कितने जुड़े है। पुनः इनकी पड़ताल की भिन्न विधियाँ समाज के अध्ययन में विविध आयाम प्रस्तुत करती है जिससे उसका एक समग्र सोच (दृष्टिकोण) बन पाता है।

2. उद्देश्य

- समाज के परिवर्तनशील स्वरूप की समझ पैदा करना
- दिक्काल के परिप्रेक्ष्य में समाज के परिवर्तन की प्रक्रिया की समझ पैदा करना जिससे समाज वर्तमान स्वरूप में विकसित हुआ है।
- यह समझ पैदा करना कि परिवर्तन एवं विकास की प्रक्रिया सतत है।
- यह समझ पैदा करना कि विश्व के किसी एक कोने में घटने वाली घटना दूर-दूराज के किसी दूसरे देश को दिक्काल में कैसे प्रभावित करती है।
- इतिहास के आईने में समकालीन भारत के राजनीति, समाजिक एवं आर्थिक परिदृश्य की समझ पैदा करना
- स्वतंत्र भारत में राष्ट्रीय विकास पर विश्व-व्यवस्था के असर की समझ बनाना
- प्रजातांत्रिक एवं सामाजिक मूल्यों की उत्तरोत्तर विकासात्मक स्थापना की समझ बनाना
- भारत में स्वाधीनता संग्राम का स्वरूप, उसमें लोक भागीदारी अन्तर-निहित मूल्य एवं आदर्श की समझ पैदा करना
- सह-अस्तित्व की अभिप्रेरक समझ विकसित करना
- छात्रों को भारतीय संविधान में अन्तर्निहित मूल्यों से अवगत कराते हुए उन्हें जिम्मेवार नागरिक के रूप में विकसित करना
- आदर्श-नागरिकता के गुणों को अक्षुण्ण बनाये रखना
- भारत के जलवायु, भूमि, लोग, धर्म आदि की विविधता से अवगत कराना एवं इनके लिए संरक्षा व सम्मान की भावना का विकास करना।
- भारत के विविधतापूर्ण पर्यावरण से अवगत कराना, उसमें अन्तःक्रियाएँ और भविष्य में पड़ने वाले उनके प्रभावों से अवगत कराना
- अनेकता में एकता की भावना का उत्तरोत्तर विकास करना
- भारत की प्राकृतिक, सांस्कृतिक धरोहरों से परिचित कराना एवं उनकी संरक्षा की भावना का विकास करना
- भारत में अर्थव्यवस्था, राजनीति, सामाजिक व्यवस्था, पर्यावरण के समक्ष समस्याएँ एवं चुनौतियों से अवगत कराना
- तनावमुक्त जीवन-शैली विकसित करने का प्रयास करना
- सामुदायिक गतिविधियों में अधिकाधिक भागीदारी के लिए प्रेरित करना
- सामाजिक/राष्ट्रीय विकास के आँकड़ों के विश्लेषण एवं पड़ताल के लिए वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक दृष्टिकोण पैदा करना
- राष्ट्र निर्माण में श्रम की महत्ता से अवगत कराना एवं इस भाव को जगाना है कि कर्म (श्रम) ही जीवन है।
- शैक्षिक एवं सामाजिक कौशलों यथा तार्किक सोंच, वाणी एवं विचार में स्पष्टता, दूसरों की सहायता एवं सहयोग में आगे आना, आपातकाल में जन-सहयोग का नेतृत्व करना आदि का विकास समझाना
- मनुष्यता, सजगता, सहजता और सामाजिक गतिविधियों में प्रभावकारी भूमिका अदा करने के लिए आवश्यक व्यक्तिगत, सामाजिक, नैतिक, राष्ट्रीय, अध्यात्मिक गुणों से सम्पन्न करना
- उन्हें एक पूर्ण व्यक्ति के रूप में विकसित करना।

वर्ग IX : अंक-विभाजन

समय—3 घंटे	अंक—100
इकाई—1 भारत एवं समकालीन विश्व—I	25
इकाई—2 भारत, धरती एवं लोग	25
इकाई—3 प्रजातांत्रिक राजनीति	22
इकाई—4 अर्थशास्त्र की समझ	22
इकाई—5 आपदा प्रबन्धन	6

वर्ग IX

इकाई—1 भारत एवं समकालीन विश्व–I

इकाई	पाठ्यक्रम/विषय वस्तु	उद्देश्य	संसाधन/क्रियाशीलन
1. भौगोलिक खोज	• अंधा युग • आधुनिक युग का प्रार्दुभाव • आधुनिक खोज और ऐतिहासिक/पूर्ववर्ती प्रयास • औपनिवेशिक खोज और स्थापना • भौगोलिक खोजों के परणाम	• वृहत्तर विश्व की शुरूआत • आवश्यकता आविष्कार की जननी है—की समझ पैदा करना। • प्रयास से लक्ष्य हासिल किए जा सकते है। • वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास एवं उससे लाभ	• संग्रहालयों का भ्रमण, चित्रों, ऐतिहासिक कक्षाओं के संदर्भ
2. अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम	• पृष्ठभूमि कारण, परिणाम, आद्योगीकीकरण का प्रभाव	• प्रजातांत्रिक विचार उदय अमेरिकी संग्राम की देन है • उपनिवेशवाद शोषण को जन्म देता है • राष्ट्रीयता की भावना सबसे ऊपर होनी चाहिए • अधिकारों के प्रति सजगता • राष्ट्रीय, जातीय, नस्लीय एकता • शिक्षा का उपयोग बहुद्देशीय	• विभिन्न नक्शों की मदद, ग्लोब चित्रों, कहानियों, ऐतिहासिक संदर्भ, मध्यकालीन विश्व का समेक्षित अवस्था
3. फ्रांस की क्रांति	• तात्कालिक प्रशासनिक व्यवस्था • विभिन्न सामाजिक वर्गों का उदय एवं उनके दर्शन • आंदोलन की अगुआई में समाज • स्टेट्स जनरल की बैठक • परिणाम/प्रादुर्भाव	• गलत प्रशासनिक नीतियां विद्रोह पैदा करती है • कलम की ताकत तलवार से ज्यादा बड़ी होती है • लोककल्याण की अनदेखी शासन में सत्ता से बाहर करती है। • जनसाधारण के इच्छाओं का सम्मान करना चाहिए • शोषण के प्रति जागरूकता और अधिकारों के प्रति सजगता • एकता में ताकत	• नक्शा, चित्र
4. रूसी क्रांति	• जारशाही का अंतः कलह • जारशाही की प्रशासनिक नीतियाँ • समाज की स्थिति • प्रथम विश्वयुद्ध में रूस की भूमिका • परिणाम/विरासत	• समाजवादी शासन की स्थापना के कारणों की समझ • समाज में अर्थशास्त्र की भूमिका • पूँजीवादी और समाजवादी व्यवस्था में अंतर • जनमत की अवहेलना- सत्ता पतन का कारण • तत्कालीन परिस्थितियों के दूरगामी प्रभाव की समझ विकसित करना • मार्क्सवाद के उदय की पृष्ठभूमि से अवगत कराना	
5. नाजीवाद	• जर्मनी की तात्कालिक स्थिति एवं हिटलर के उदय की पृष्ठभूमि (कारण) • नाजीवादी दर्शन • नाजीवाद का प्रभाव	• जन असंतोष का फायदा विरोधी शक्तियों द्वारा उठाना • शान्ति का नकारात्मक दिशा में उपयोग खतरनाक एवं राष्ट्रविरोधी होता है। • अतिराष्ट्रीयतावाद खतरनाक होता है • तनाशाही शासनव्यवस्था के दूरगामी दुष्प्रभाव को समझाना • निजी हितों का संरक्षण राष्ट्र के लिए खतरा • प्रजातांत्रिक मूलों में विश्वास को बढ़ावा देना	• चित्रों, वृत्तचित्रों, उपन्यास ''मैनशम्फ'' का संदर्भ
6. प्रथम विश्व युद्ध एवं द्वितीय विश्वयुद्ध	• विश्वयुद्धों के कारण परिणाम प्रभाव	• उपनिवेशवाद, साम्राज्यवाद की जननी है—इसकी समझ विकसित करना • विवादों का सर्वश्रेष्ठ हल शांति और वार्ता है • विवादों का हल परस्पर अहंकार के त्याग से होता है • युद्ध का दूरगामी प्रभाव भावी समाज पर पड़ता है • युद्ध से सामाजिक, आर्थिक नुकसान होता है • शांति सर्वश्रेष्ठ है और स्थायी हल देती है।	• विडियो क्लिप, फिल्म प्रदर्शन (पर्ल हार्बर) नेताओं के चित्र/राष्ट्रों के नक्शे और भौगोलिक स्थिति
7. जंगली समाज और उपनिवेशवाद	• जंगल-जीवन का संबंध • जंगली समाज में उपनिवेशवाद के विरूद्ध गोलबंदी • बिरसा मुण्डा, चुआड़, तिलका मांझी बसरा आदि	• 18–19 वीं सदी के भारतीय जंगली जीवन से अवगत कराना • जंगली जीवन की सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, धार्मिक, अवधारणाओं से परिचित कराना • तत्कालीन भू-राजस्व की व्यवस्था से परिचित होना • क्षेत्रवाद / जातिवाद / समुदायवाद के प्रति शक्ति भावना • विदेशियों की गलत नीतियों के खिलाफ विद्रोह करना	• चित्रों, फिल्मों (धरती भाषा: बिरसा मुंडा) • स्थानीय बुजुर्गों से वार्त्तालाप • क्षेत्र में जाकर स्थानीय संस्कृतियों की जानकारी लेना

https://www.freshersnow.com/category/govt-boards/board-syllabus/

इकाई	विषय-वस्तु	लक्ष्य/उद्देश्य	प्रक्रिया/संसाधन
3. भारत में राष्ट्रवाद सविनय अवज्ञा आंदोलन	• प्रथम विश्वयुद्ध के कारण और परिणाम का भारत से अन्तर्सम्बंध • खिलाफत आंदोलन • असहयोग आंदोलन • नमक सत्याग्रह पृष्ठभूमि, कारण, परिणाम • किसान, मजदूर और जन-जातियों का विद्रोह • विभिन्न राजनीतिक पार्टियों की गतिविधियाँ	• प्रथम विश्वयुद्ध का संक्षिप्त परिचय भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन से जोड़ना • ब्रिटिश हुकूमत के वादा खिलाफी को समझाना, राष्ट्रीय आन्दोलन में हिन्दू-मुस्लिम एकता को मजबूत बनाना • सत्याग्रह से परिचित कराना एवं उसके दूरगामी लक्ष्य से अवगत कराना • शोषक की नितियों के खिलाफ सत्याग्रह में लोकभागदारी को बढ़ाने एवं उसकी पृष्ठभूमि, कारण, परिणाम की समझ पैदा करना • सविनय अवज्ञा आंदोलन के भारतीय एवं ब्रिटिश सत्ता पर प्रभाव से अवगत कराना • अँग्रेजी नीतियों के विरोध में देश के विभिन्न वर्गों और क्षेत्रों में उठनेवाले विद्रोहों का स्वरूप बताना • तत्कालीन राजनीतिक पार्टियों यथा कांग्रेस, साम्यवादी, मुस्लिम लीग, स्वराज्य पार्टी, आर० एस० एस० के गतिविधियों/क्रियाकलापों से अवगत कराना।	• फिल्में, विडियोक्लिप, चित्र, स्वतंत्रता सेनानियों से साक्षात्कार • संग्रहालय भ्रमण, मानचित्र अध्ययन • स्वतंत्रता सेनानियों से साक्षात्कार • नाटक प्रदर्शन, मुखौटे • नाट्य रूपान्तरण

इकाई	विषय-वस्तु	लक्ष्य/उद्देश्य	प्रक्रिया/संसाधन
4. अर्थव्यवस्था और आजीविका	• औद्योगीकरण (1850–1950) ब्रिटेन और भारत में औद्योगीकरण • औद्योगिक उत्पादन एवं कुटीर उद्योगों के बीच सम्बंध • मजदूरों की आजीविका (ब्रिटेन और भारत) • संगठित और असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले ब्रिटेन और भारत के मजदूरों का जीवन स्तर	• औद्योगीकरण के कारणों की समझ, उपनिवेशवादी व्यवस्था से उपजे शोषक और शोषित देशों की अर्थव्यवस्था से अवगत कराना, कुटीर उद्योगों की उपयोगिता एवं उनके प्रति सौन्दर्यबोध, आधुनिक समाज में आए परिवर्तन, मशीनी युग से मजदूरों की स्थिति, कुटी उद्योग से अर्थव्यवस्था का संबंध • मजदूरों के जीवनस्तर के प्रति समझ और मानवीय दृष्टिकोण का विकास	• विडियोक्लिप, चित्र, फिल्में • कुटी उद्योगों के क्षेत्र का भ्रमण • असंगठित क्षे में लगे मजदूरों के जोखिम और संगठित क्षेत्र में कार्यरत मजदूरों के जोखिम में अंतर दिखना कारखाने में काम करने वाले मजदूरों के जीवनस्तर का अध्ययन
5. शहरीकरण एवं शहरी जीवन	**शहरीकरण एवं शहरी जीवन** • शहरीकरण की पद्धति • प्रवजन और शहरीकरण • शहरों का विकास सामाजिक बदलाव और शहरीजीवन • व्यवसायी वर्ग, मध्यम वर्ग, मजदूर वर्ग और शहरीकरण	• शहरीकरण की पृष्ठभूमि एवं उससे उत्पन्न स्थितियों की समझ बनाना, उसका प्रभाव समझाना • शहरीकरण के संदर्भ में नगरों एवं छोटे शहरों के बीच के अंतर को समझाना	अखबारों, पत्र-पत्रिकाओं में दिए गए सूचनाओं का संग्रह
6. व्यापार और भूमंडलीकरण	**व्यापार और भूमंडलीकरण** • 19 वीं तथा प्रारंभिक 20 वीं सदी में विश्व बाजार का विस्तार और एकीकरण • दो महायुद्धों के दरम्यान व्यापार और अर्थव्यवस्था • 1950 के दशक के बाद परिवर्तन	• विश्व बाजार के स्वरूप की समझ और उसकी उपयोगिता, लाभ और हानी विश्वव्यापी आर्थिक संकट का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, विश्व बाजार के आलोक में बदलते अन्तरराष्ट्रीय सम्बन्ध की समझ पैदा करना	• विभिन्न अन्तरराष्ट्रीय कम्पनियों के logo इकट्ठे करना • Band Name की उत्पाद से पहचान एवं कम्पनियों से सम्बद्धता का संकलन • विभिन्न कम्पनियों के CEO के साक्षात्कार का अवलोकर एवं चित्रों का संग्रहण

इकाई	विषय-वस्तु	लक्ष्य/उद्देश्य	प्रक्रिया/संसाधन
	• आज के जीवकोपार्जन और भूमंडलीकरण का अन्तरसाम्य अध्ययन क्षेत्र • 1945 से 1960 के दशक के बीच अन्तरराष्ट्रीय आर्थिक सम्बन्ध		• घरेलू उपयोग की वस्तुओं का कम्पनियों के साथ सम्बद्धता की पहचान/ अपने परिवेश में उसका इस्तेमाल करने वाले लोगों का वस्तुओं के साथ वर्गीकरण एवं आँकड़ा संग्रहण
7. प्रेस संस्कृति और राष्ट्रवाद	• यूरोप में छपाई का इतिहास • 19 वीं सदी के भारत में प्रेस का विकास • प्रिन्ट संस्कृति, आम बहस और राजनीतिक सम्बन्ध	• छपाई यंत्रों के आविष्कार एवं क्रमिक विकास का शिक्षा और ज्ञान पर प्रभाव • उसे उत्पन्न राष्ट्रीयता एवं संस्कृति से अवगत कराना • भारतीय समाज पर प्रेस के प्रभाव प्रिन्ट मीडिया द्वारा उभारे जानेवाले मुद्दों एवं उससे जुड़े जनमानस की प्रकृति की समझ पैदा करना	
8. उपन्यास का इतिहास	• उपन्यास और आधुनिक समाज में परिवर्तन के बीच संबंध • भारत में 19 वीं सदी के उपन्यास एक विधा के रूप में उपन्यास का प्रादुर्भाव: पश्चिम के संदर्भ में।	• ऐतिहासिक सन्दर्भों में उपन्यास की समझ, बदलते जीवन शैली को उभारने में उपन्यास का महत्त्व, भारतीय उपन्यासकारों के उपन्यास लेखन की समझ। प्रेमचन्द, नागार्जुन, फणीश्वरनाथ रेणु, रामकृष्ण वेनीपुरी, रवीन्द्रनाथ टैगोर, शरतचन्द्र आदि की कृतियों से अवगत कराना	• रूसी क्रांति में 'मदर' भारतीय क्रांति में आनन्दमठ, दांते का Divine comedy, नीलदर्पण आदि का संदर्भ
		• पश्चिमी देशों में उपन्यास एक विधा के रूप में अपना स्थान बनाने में सक्षम होने के कारण महत्त्वपूर्ण उपन्यासकारों यथा शेक्सपियर, गोर्की, की रचनाओं के सामयिक जुड़ाव को समझना	
9. इतिहास पुरुष	• राहुल सांकृत्यायन		• चित्र एवं कृतित्व के चार्ट

इकाई—II भारत-संसाधन एवं उपयोग

इकाई	Key Concept (मूल अवधारणा)	उद्देश्य/Learning Outcome	Activity/Resource (गतिविधि/संसाधन)
1. भारत : संसाधन एवं उनका विकास			
संसाधन	• संसाधन का महत्व, प्रकार, संसाधन नियोजन, संसाधनों का संरक्षण • प्राकृतिक संसाधन—भूमि संसाधन, मृदा निर्माण, मृदा के प्रकार एवं वितरण, भूमि उपयोग का बदलता स्वरूप, भूक्षरण एवं भूसंरक्षण	• संसाधन के विभिन्न स्रोत एवं उसकी उपयोगिता से अवगत कराना • संरक्षण के प्रति जागरूक बनाना।	• चित्र, अवलोकन • यह पता करना कि आज जहाँ भवन बने हैं तीस-चालीस वर्ष पहले वहाँ क्या था एवं उस भूमि का उपयोग किस रूप में होता था। • साक्षात्कार (बड़े-बुजुर्गों से)
—कृषि संसाधन	• महत्त्व, कृषि के प्रकार, भारतीय कृषि की मुख्य विशेषताएँ, प्रमुख फसलें, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान, रोजगार, उत्पादन, खाद्य सुरक्षा, वैश्वीकरण एवं कृषि पर इसका प्रभाव पशुपालन एवं मत्स्य पालन।	• देश के विभिन्न भागों में खेती में प्रयुक्त विभिन्न तरीकों एवं विभिन्नताओं की जानकारी देना तथा बाजार पर पड़ने वाले प्रभावों से अवगत कराना।	• अवलोकन, कृषि उत्पादन बाजार समिति के प्रांङ्गण का अवलोकन एवं साक्षात्कार
—जल संसाधन	• जल के स्रोत, वितरण, जलसंसाधन का उपयोग, बहुद्देशीय परियोजनाएँ, जल संकट, जल संरक्षण एवं प्रबन्धन की आवश्यकता, वर्षा जल संग्रहण एवं उसका पुनर्चक्रण • सोन परियोजना का अध्ययन	• जल स्रोतों की उपलब्धता एवं उनसे संबंधित परियोजनाएँ, रोजगार एवं प्रबन्ध की समझ विकसित करना • प्रतिव्यक्ति घटते जल की मात्रा के प्रति जागरूकता पैदा करना	• चित्र, वृतचित्र, फिल्म, शैक्षिक भ्रमण, प्रदेश में स्थित कोसी, वाल्मिकी, इन्द्रपुरी आदि बहुउद्देशीय नदी परियोजनाओं का
—खनिज संसाधन	• खनिज के प्रकार, वितरण, खनिजों का आर्थिक महत्व, एवं खनिजों का संरक्षण	• खनिजों की महत्ता उपलब्धता एवं संरक्षण की महत्ता से अवगत कराना।	• पड़ोसी प्रांत के खनिज बहुल क्षेत्रों भ्रमण, खनिजों का अवलोकन।

इकाई	Key Concept (मूल अवधारणा)	उद्देश्य/Learning Outcome	Activity/Resource (गतिविधि/संसाधन)
—वन एवं वन्यप्राणी संसाधन	• प्रकार, वितरण, वन सम्पदा तथा वन्य जीवों	• वनों एवं वन्य प्राणियों के महत्त्व से अवगत कराना	• अभ्यरणों एवं उपवनों का भ्रमण कराना।

	का ह्रास एवं संरक्षण।	तथा इनके विलुप्त होने के दुष्प्रभाव एवं संरक्षण के संबंध में जागरण।	
—शक्ति संसाधन	• शक्ति संसाधन के प्रकार, परम्परागत एवं गैर परम्परागत शक्ति के साधन, वितरण, उपयोग तथा संरक्षण	• शक्ति संसाधनों की आवश्यकता से अवगत कराना। • नये संसाधनों के लिए खोजी प्रवृत्ति का विकास	• परम्परागत एवं गैर परम्परागत शक्ति के साधनों का अवलोकन • मानचित्र में शक्ति के साधन के केन्द्रों को दर्शाना
2. निर्माण उद्योग	• उद्योगों का वर्गीकरण, क्षेत्रीय वितरण, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में उद्योगों का योगदान • बिहार की कोई एक औद्योगिक इकाई का अध्ययन • उद्योगों से उत्पन्न प्रदूषण का प्रभाव • प्रदूषण को नियंत्रित करने के उपाय	• राष्ट्रनिर्माण में उद्योग की भूमिका से अवगत कराना तथा औद्योगीकरण के परिणामस्वरूप होनेवाले प्रदूषण के प्रति सचेत करना।	• मानचित्र, चित्र, पंचवर्षीय योजनाओं से संदर्भ।
3. परिवहन, संचार और व्यापार	• परिवहन के प्रकार एवं महत्त्व • संचार के माध्यम एवं उसका महत्त्व • राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार पर परिवहन एवं संचार के साधनों का प्रभाव • जनजीवन पर प्रभाव	• व्यापारिक प्रगति में परिवहन एवं संचार के साधनों की भूमिका से अवगत कराना • जनजीवन पर पड़नेवाले प्रभावों एवं उनकी उपयोगिता के प्रति सकारात्मक सोच पैदा करना।	• विभिन्न मॉडल निर्माण, अवलोकन, उपयोग
4. उत्तरी अमेरिका संक्षिप्त अध्ययन	• स्थिति एवं विस्तार, प्राकृतिक बनावट, जलवायु, खनिज, कृषि तथा उद्योग	• अंतर्राष्ट्रीयता के ज्ञान को संवर्धित करने एवं उनसे प्रेरणा लेना।	• मानचित्र, मॉडल, चित्र, दूरदर्शन पर प्रसारित एवं पत्रिकाओं में प्रकाशित विशेष रपटों को सुनना, पढ़ना।

इकाई	Key Concept (मूल अवधारणा)	उद्देश्य/Learning Outcome	Activity/Resource (गतिविधि/संसाधन)

5. मानचित्र अध्ययन	• उच्चावच प्रदर्शन की विधियाँ • समोच्च रेखाओं पर विभिन्न भू-आकृतियों का प्रदर्शन— पर्वत, पठार, जलप्रपात एवं V आकार की घाटी।	• उच्चावच को समतल कागज पर कैसे प्रदर्शित करें, की समझ पैदा करना।	• समोच्च रेखाओं का ग्राफ, चित्र

प्रोजेक्ट :—

- विभिन्न प्रकार के फसलों, उद्योगों, जल प्रयोजनाओं, वन संसाधन पर फोटोग्राफों, मानचित्रों, प्रकाशित छायाचित्रों के साथ प्रोजेक्ट तैयार करना।
- आस-पास के जल प्रदूषण पर चित्र बनाएँ।

इकाई—III लोकतांत्रिक राजनीति–II

क्र.	प्रकरण (थीम)	उप प्रकरण (सब थीम)	उद्देश्य
1.	लोकतंत्र का व्यावहारिक स्वरूप	• क्या लोकतंत्र में विभेद के तत्व अन्तर्निहित हैं? • जातियों का हमारी लोकतांत्रिक राजनीति पर प्रभाव • क्या राजनीति जातियों के व्यवहार को परिवर्तित करता है? • लिंग भेद एवं साम्प्रदायिक विभेदों से लोकतंत्र किस हद तक प्रभावित होता है?	• भारतीय संदर्भ में सामाजिक विषमता एवं राजनीतिक प्रतिस्पर्द्धा को विश्लेषित करना • जातीय एवं साम्प्रदायिक चुनौतियों से भारतीय लोकतंत्र किस दह तक प्रभावित होता है, इसकी समझ विकसित करना। • लिंग का परिप्रेक्ष्य किस रूप में भारतीय राजनीति को प्रभावित करता है, इसकी समझ विकसित करना।
2.	सत्ता में भागीदारी की कार्य प्रणाली	• लोकतंत्र में सत्ता विभाजन के उपबंध • संघात्मक शासन व्यवस्था • राष्ट्रीय एकता में संघात्मक व्यवस्था कैसे सहायक है? • किस हद तक सत्ता का विकेन्द्रीकरण राष्ट्रीय एकता के मूल्यों के संवर्धन में अपरिहार्य है? • लोकतंत्र कैसे विभिन्न सामाजिक समूहों को सन्निहित करता है? • **बिहार में पंचायती राज व्यवस्था की एक झलक**	• विद्यार्थियों की संघीय व्यवस्था की जानकारी देना • सत्ता के विकेन्द्रीकरण की अवधारणा से सुपरिचित कराना। • संघात्मक व्यवस्था में एकात्मकता की आत्मा को संवर्धित करना।

क्र.	प्रकरण (थीम)	उप प्रकरण (सब थीम)	उद्देश्य
3.	प्रतिस्पर्द्धा एवं संघर्ष	• प्रतिस्पर्द्धा एवं संघर्ष के अर्थ:	• लोकतंत्र के विस्तार में आम जन के

		• स्वतंत्र भारत में आम जन के पक्ष में संघर्ष (1974 का संघर्ष) • नेपाल का संघर्ष • राजनीतिक दल क्या है? • भारत के प्रमुख राजनीतिक दल (राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय) • राजनीतिक दलों में प्रतिस्पर्द्धा का लोकतंत्र के सशक्तीकरण एवं राष्ट्रीय विकास में योगदान।	संघर्ष एवं राजनीतिक दलों में प्रतिस्पर्द्धा की समझ को विकसित करना। • भारत में दलीय व्यवस्था से सुपरिचित कराना।
4.	लोकतंत्र की उपलब्धियाँ	• क्या भारतीय लोकतंत्र अपने उद्देश्यों की प्राप्ति कर रहा है? • भारतीय समाज के पुनर्निर्माण में लोकतंत्र का योगदान	• भारतीय लोकतंत्र की उपलब्धियों एवं कठिनाइयों के संदर्भ से परिचित होते हुए बच्चों में समानता, स्वतंत्रता, भातृत्व एवं व्यक्ति की गरिमा के प्रति आलोचनात्मक कौशल विकसित करना।
		• भारत में लोकतंत्र की वास्तविक स्थिति • राष्ट्रीय उद्देश्यों यथा समानता, स्वतंत्रता एवं भ्रातृत्व की प्राप्ति • भारतीय लोकतंत्र कितना सफल है? • भारत में लोकतंत्र की सफलता के कारक तत्त्व	•
5.	लोकतंत्र की चुनौतियाँ	• क्या लोकतंत्र की अवधारणाएँ हमारे सिद्धांत एवं व्यवहार में सामंजस्य स्थापित कर पा रही है? • लोकतंत्र से जनता की अपेक्षाएँ • क्या भारतीय लोकतंत्र जनता की उन्नति, सुरक्षा और गरिमा के संवर्धन में सहायक है?	• लोकतंत्र के प्रभावकारी तत्त्वों और उनमें अन्तर्निहित कमियों को रेखांकित करते हुए बच्चों में लोकतंत्र को सबल बनाने हेतु सृजनात्मक दृष्टि प्रदान करना। • जनता की सक्रिय भागीदारी हेतु कल्पनाशीलता को विकसित करना।

इकाई--IV अर्थशास्त्र की समझ

इकाई	पाठ्यक्रम	उद्देश्य	क्रियाशीलन
1. विकास का इतिहास	• विकास की समझ	• शिक्षार्थियों को विकास के	• शिक्षार्थियों को अपने गांव

	• विकास का माप एवं विविध सूचकांक • बिहार के विकास की स्थिति • देश के आर्थिक विकास में बिहार के आर्थिक विकास की भूमिका • स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास के बीच संबंध	इतिहास से परिचय कराना • शिक्षार्थियों के अंदर राज्य और देश की आर्थिक प्रगति में अपनी भूमिका के प्रति जागरूक करना • राज्य एवं देश के विकास में स्वास्थ्य और शिक्षा के संबंध की समझ विकसित करना	के विकास की प्रक्रिया को कहानी के माध्यम से लिखवाना। • द्विपक्षीय संवाद के माध्यम से बच्चों में समझ विकास करना
II. राज्य एवं राष्ट्र की आय	लेख के माध्यम से • बिहार की आय • राष्ट्रीय आय • प्रतिव्यक्ति आय और • विकास में राजकीय/ राष्ट्रीय एवं प्रति व्यक्ति आय का योगदान	• शिक्षार्थियों के अंदर राजकीय आय, राष्ट्रीय आय एवं प्रतिव्यक्ति आय की समझ विकसित • विकास में शिक्षार्थियों के परिवार के आय का महत्ता की समझ विकसित करना	• टीचिंग लर्निंग मैटेरियल का उपयोग (जैसे ग्राफ) • शिक्षार्थियों द्वारा अपने टोले/मुहल्ले का सर्वेक्षण कर उसके रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण
III. मुद्रा, बचत एवं साख	• मुद्रा का इतिहास • मुद्रा है क्या? • मुद्रा का आर्थिक महत्त्व • बचत एवं साख क्या है?	• शिक्षार्थियों के अंदर मुद्रा के उपयोग की समझ, बचत एवं साख की विकास में भूमिका की समझ उत्पन्न करना। • मौद्रिक सिद्धांतों का आभास कराना।	• परिवेश से उदाहरण • द्विपक्षीय प्रश्नोत्तरी विधि • बच्चों को उपाये ढूंढने के लिए स्वलेखन

इकाई	पाठ्यक्रम	उद्देश्य	क्रियाशीलन
IV. हमारी वित्तीय संस्थाएँ	• हमारे राज्य की वित्तीय संस्थाएँ, • हमारे देश की वित्तीय संस्थाएँ, • राज्य एवं देश के आर्थिक विकास में इन संस्थाओं की भूमिकाएँ • व्यवसायिक बैंक और इनकी राज्य के विकास में भूमिका • सहकारिता और राज्य के विकास में भूमिका • स्वयं सहायता समूह और गाँव, कस्बा और जिला के विकास में भूमिका	• प्रत्येक स्तर की वित्तीय संस्थाओं के बारे में समझ विकसित करना • गरीबी एवं बेकारी उन्मूलन में इनकी भूमिका को समझना • वित्तीय प्रणाली को समझाना	• व्याख्यान विधि • अपने टोले-मुहल्ले की महिलाओं से बातचीत • वर्ग में बातचीत का प्रस्तुतीकरण।

V. रोजगार और सेवाएँ	• भारतीय एवं बिहार की अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र का महत्त्व-रोजगार सृजन के रूप में सेवाओं की भूमिका। • भारत-विश्व को सेवा प्रदाता के रूप में। • सेवा क्षेत्र के विस्तार एवं विकास के लिए बुनियादी सुविधा एवं शिक्षा की भूमिका।	• शिक्षार्थियों के अन्दर रोजगार सृजन की प्रक्रिया की समझ पैदा करना • रोजगार के सृजन में सेवा क्षेत्र की भूमिका की जानकारी देना • सरकार द्वारा इस क्षेत्र में विनियोग क्यों किया जा रहा है—इसकी समझ स्थापित करना	• प्रश्नोत्तरी एवं व्याख्यान विधि द्वारा • द्विपक्षीय प्रश्नोत्तरी विधि
VI. वैश्वीकरण	• वैश्वीकरण क्या है? • भारत में वैश्वीकरण क्यों? • 1991 से पहले वैश्वीकरण का इतिहास, • राज्य नियंत्रित उद्योग • 1991 का आर्थिक सुधार • वैश्वीकरण एवं आम आदमी	• छात्रों को यह समझाना कि वैश्वीकरण उन्हें किस तरह प्रभावित कर रहा है।	• प्रश्नोत्तरी एवं व्याख्यान विधि द्वारा • उदाहरण रीति

इकाई	पाठ्यक्रम	उद्देश्य	क्रियाशीलन
VII. उपभोक्ता जागरण	• उपभोक्ता जागरण • उपभोक्ता शोषण के कारण • उपभोक्ता संरक्षण एवं इसमें सरकार की भूमिका • आर्थिक शोषण के संदर्भ में मानवाधिकार आयोग का महत्त्व	• उपभोक्ता के रूप में अपने अधिकार एवं कर्त्तव्यों की जानकारी साथ ही शोषण से रक्षा के लिए वैधानिक उपायों की जानकारी	• मिडिया का उदाहरण देकर कुछ संबंधित प्रश्न पूछकर • व्याख्यान विधि द्वारा • वृतचित्र

इकाई—V आपदा प्रबंधन

1. सुनामी
2. सुरक्षित निर्माण
3. जीवन रक्षक कौशल
4. आपदा काल में वैकल्पिक संचार-व्यवस्था (Communication system)
5. आपदा और सहअस्तित्व।

शिक्षण विधि

समाज विज्ञान शिक्षण के लिए पाठ्यपुस्तक शिक्षण विधि के अतिरिक्त वाद-विवाद पद्धति, प्रायोजना कार्य, स्थल-भ्रमण, मानचित्र का संग्रह एवं विश्लेषण, ऐतिहासिक वस्तुओं का संग्रह आदि उपयोगी विधि है। परन्तु वाद-विवाद पद्धति इसके लिए सर्वाधिक उपयोगी होगी।

इसके अतिरिक्त प्रश्नोत्तर की पद्धति भी ज्यादा प्रभावी साबित हो सकती है। साथ में चार्ट, नक्शा, अखबार की

कतरन आदि भी प्रभावी शिक्षण में मददगार होंगे।

शिक्षण में प्रोजेक्टर, दृश्य एवं श्रव्य माध्यमों का उपयोग ज्यादा फलदायी होगा।

अधिगम प्रतिफल

समाजविज्ञान के माध्यमिक स्तर के शिक्षण के उपरान्त छात्र ज्ञान, समझ, सूचनाएँ और कौशल से संपन्न होंगे जिससे समाज के विकास की प्रक्रिया समझने, वर्तमान-स्वरूप का चित्रण करने और यथार्थ व गुण-दोष का विवेचन करने में वे सक्षम होंगे। उन्हें अपनी ऐतिहासिक विरासत, वर्तमान की भू-पर्यावरणीय समस्याएँ सत्ता के स्वरूप और आर्थिक अन्तः क्रियाओं की पूर्ण जानकारी होगी और उनके व्यक्तित्व का विस्तार होगा। समाज में फैली बुराइयों के विरुद्ध जनमत बनेगा, ऐतिहासिक विरासत का संरक्षण होगा, प्रजातांत्रिक मूल्यों की जड़ें मजबूत होंगी; साथ ही, आर्थिक गतिविधियाँ का विस्तार होगा। समाज में समरसता, सहयोग एवं संवाद बढ़ेगा तथा उन्नति का नया मार्ग प्रशस्त होगा। नागरिक के रूप में समाज निर्माण में वे सक्रिय भागीदारी करेंगे और वास्तविक समस्याओं से अपने को जुड़ा महसूस कर मिलजुल कर पहल करेंगे। इस तरह हम जिम्मेदार, जबावदेह एवं आदर्श नागरिक बना पाएँगे।

♣